रामाज्ञा स्कूल नोएडा

ओलंपियाड हिन्दी 2017-18

कक्षा -आठ

दिए गए गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए -

कुछ लाख वर्षों की ही बात है,जब मनुष्य जंगली था ,वनमानुष जैसा | उसे नाख़ून की ज़रूरत थी | उसकी जीवन-रक्षा के लिए नाख़ून बहुत ज़रूरी थे | असल में वही उसके अस्त्र थे | दांत भी थे,पर नाखून के बाद ही उनका स्थान था | उन दिनों उसे जूझना पड़ता था, प्रतिद्वंदियों को पछाड़ना पड़ता था,नाख़ून उसके लिए आवश्यक अंग था | फिर धीरे-धीरे वह अपने अंग से बाहर की वस्तुओं का सहारा लेने लगा | पत्थर के ढेले और पेड़ की डालें काम में लाने लगा | उसने हड्डियों के भी हथियार बनाए | इन हड्डियों के हथियारों में सबसे मजबूत और सबसे ऐतिहासिक था देवताओं के राजा इंद्र का वज्र,जो दधीचि मुनि की हड्डियों से बना था | मनुष्य और आगे बढ़ा | उसने धातु के हथियार बनाए | जिनके पास लोहे के अस्त्र और शस्त्र थे,वे विजयी हुए | इतिहास आगे बढ़ा | पलीते-वाली बंदूकों ने, कारतूसों ने,तोपों ने,बमों ने,बमवर्षक वायुयानों ने इतिहास को किस कीचड़ भरे घात तक घसीटा है,यह सबको मालूम है | नख-धर मनुष्य अब एटम-बम पर भरोसा करके आगे की ओर चल पड़ा है | और उसके नाख़ून अब भी बढ़ रहे हैं | अब भी प्रकृति मनुष्य को उसके भीतर वाले अस्त्र से वंचित नहीं कर रही है,अब भी वह याद दिला देती है कि तुम्हारे नाख़ून को भुलाया नहीं जा सकता | तुम वही लाख वर्ष पहले के नखदंतावलंबी जीव हो-पशु के साथ एक ही सतह पर विचरने वाले और चरने वाले |

1. कुछ लाख वर्ष पहले नाख़ून मनुष्य के आवश्यक अंग थे,क्योंकि :
   (i) वह वनमानुष था (ii) वह जंगली था व हाथ से शिकार करता था
   (iii) वे ही उसके अस्त्र थे (iv) उपरोक्त सभी
2. धीरे-धीरे मनुष्य ने किन अस्त्रों का सहारा लिया?
   (i) बंदूकें,बम व तोप का (ii) पत्थर के ढेले व पेड़ की डालों का
   (iii) देवताओं के हथियार का (iv) (i) व (ii) दोनों
3. मनुष्य के भीतर के अस्त्र से क्या तात्पर्य है?
   (i) मनुष्य द्वारा एकत्रित किए गए हथियार
   (ii) मनुष्य के मन में दबी हिंसक भावनाएँ

मनुष्य के नाखूनों का बढ़ना (iii)

उपरोक्त सभी (iv)

.4 'नाख़ून अब भी बढ़ रहे हैं' द्वारा लेखक क्या कहना चाह रहा है?

उसकी हिंसक प्रवृत्ति शांत नहीं हुई है (ii) मनुष्य के नाख़ून प्रतिदिन बढ़ते हैं (i)

इनमें से कोई नहीं (iv) वह पशु के समान है (iii)

.5'नखधर-' का अर्थ है -

नाखूनधारी (ii) धरती पर नाख़ून (i)

नाख़ून और धरत (iii) ी नाख़ून धारण करना (iv)

.6हिन्दी भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार की गई :

i) 14) अक्टूबर 1949,को ii) 14)सितम्बर1951,

iii)14) नवम्बर 1949 ,को iv) 14)सितम्बर 1949 ,को

.7भारतीय संविधान में भाषाओँ --------को मान्यता दी गई है |

i) 18 (ii) 22 (iii) 24 (iv) 26)

.8निम्नलिखित में योगरूढ शब्द है :

पानी (iv) भोजनालय (iii) घर (ii) पंकज (i)

.9महाराणा प्रताप मेवाड़ के राजा थे : विच्छेद-रेखांकित शब्द का वर्ण |

आ+ज+अ+र (ii) अ+ज+आ+र (i)

अ+ज+आ+र (iv) आ+अ+ज+अ+र (iii)

.10'लोकोक्ति' शब्द का सही संधि:विच्छेद है-

उक्ति+लोको (iv) ओक्ति+लोक (iii) उक्ति+लोक (ii) कोक्ति+लो (i)

.11'आकू': प्रत्यय से बना शब्द है,

(i) जडाऊ बिछौना (iv) पढ़ाकू (iii) प्रकाशित (ii)

.12निम्नलिखित में से समुद्र शब्द का पर्यायवाची है :

(i) वारिज वारि (iv) वारिद (iii) वारिधि (ii)

.13निम्नलिखित में 'अलि' शब्द का अर्थ नहीं है :

बिच्छू (iv) भौंरा (iii) कमल (ii) कोयल (i)

.14'सुकर्म' शब्द का विलोम है :

नकर्म (iv) अकर्म (iii) कुकर्म (ii) दुकर्म (i)

15. 'साथ पढने वाला' कहलाता है :

(i) सहपाठी (ii) स्पाठी (iii) सपाठी (iv) साथपाठी

16. 'दल' शब्द का अनेकार्थी शब्द नहीं है :

(i) समूह (ii) सेना (iii) पत्ता (iv) धुरी

17. शुद्ध वर्तनी है :

(i) आर्शीवाद (ii) आशीर्वाद (iii) आशिर्वाद (iv) आर्षीवाद

18. हिन्दी भाषा की लिपि है :

(i) देवनागरी (ii) रोमन (iii) संस्कृत (iv) अवधि

19. संयुक्त व्यंजन है :

(i) क्ष (ii) ड (iii) भ (iv) ख

20. स्पर्श व्यंजन ..... होते हैं :

(i) 25 (ii) 22 (iii) 20 (iv) 33